भारत को विश्व बैंक का ऋण

101. श्री राम गोपाल यादव : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विश्व बैंक 1993–96 की अवधि में भारत को 3.2 अरब डालर का ऋण देने पर सहमत है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस ऋण के साथ कोई शर्तें जुड़ी हैं और यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) पिछले तीन वर्षों में भारत को विश्व बैंक से कुल कितना ऋण मिला है और उसका प्रयोग किस-किस मद पर कितना-कितना किया गया है; और

(घ) क्या वित्त मंत्रालय ने विश्व बैंक के ऋण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया है, और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) इस प्रश्न का संबंध अंतर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण के संसाधनों के दसवें आभरण से संबंधित अवधि में विश्व बैंक सहायता से है। इस अवधि के दौरान; भारत वर्तमान उत्तर पर सहायता प्राप्त करने की आशा करता है ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) पिछले 3 वर्षों के दौरान विश्व बैंक के साथ जिन परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए गए और दिसम्बर, 1992 के अन्त तक इन परियोजनाओं के अधीन जो संवितरण किए गए उनका विवरण संलग्न है । **[नीचे देखिए]**

(घ) भारत सरकार ने हाल ही में भारत की दी गई अंतर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण सहायता के विषय में एक स्वतन्त्र अध्ययन आयोजित किया और उस अध्ययन ने भारत की विकास नीति के लिए अधिक रियायती सहायता किए जाने का प्रस्ताव किया है ।

विवरण

विश्व बैंक की सहायता प्राप्त परियोजनायें

क्रम सं०	परियोजनाएं	दिसम्बर, 1992 तक संचयी संवितरण
1	2	3
1990		
1.	एकीकृत जल-विभाजन पहाड़ी	12.20
2.	हैदराबाद जल आपूर्ति	20.44
3.	तकनीकी शिक्षा	34.11
4.	एकीकृत जल-विभाजन मैदान	3.36
5.	सातवीं जनसंख्या	11.55
6.	आई० सी० डी० एस०	15.77
7.	सीमेंट उद्योग पुनःसंरचना	33.91
8.	उत्तरी क्षेत्र पारेषण	39.43
9.	टाटा- जल-विद्युत	13.31

1	2	3
10.	पैट्रो-रसायन विकास–II	1.00
11.	पैट्रो-रसायन विकास–2 निगम	73.37
12.	आयात पुनर्निमणि	112.05
	1991	
1.	तेल एवं गैस क्षेत्र विकास	—
2.	संरचना विकास	509.50
3.	तमिलनाडु कृषि विकास	6.80
4.	बांध सुरक्षा	9.26
5.	औद्योगिक प्रदूषण नियन्त्रण	14.76
6.	बी० एस० ई० बी० निजी विद्युत उपयोगिताएं	38.06
7.	गैस प्रज्वलन न्यूनीकरण	106.16
8.	तकनीकी शिक्षा-II	19.09
9.	महाराष्ट्र ग्रामीण जल आपूर्ति	7.03
	1992	
1.	बाल उत्तरजीविता एवं सुरक्षित मातृत्व	29.40
2.	महाराष्ट्र बानिकी	6.00
3.	झींगा एवं मत्स्य पालन	4.00
4.	पश्चिम बंगाल बानिकी	2.00
5.	राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण	5.00
6.	राष्ट्रीय राजमार्ग-II	11.00
7.	विद्युत उपयोगिताएं दक्षता	14.02
8.	महाराष्ट्र विद्युत	31.66

Accumulated Domestic Loans

102. SMT. KAMLA SINHA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the accumulated debt recovery position in respect of domestic loans at the beginning of 1992 and what is the percentage of recovery by the banks at the end of 1992;

(b) what is the estimated amount of bad and doubtful debts at the end of 1992 as against the outstanding loans;

(c) what are the reasons for the unsatisfactory recovery of debts;

(d) whether in view of the experience gained, Government propose to give more legal powers to the bankers to recover the debts; and

(e) if so, what is the decision, if any, taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) to (c) The banks provide loans to credit worthy borrowers for taking up economically viable activity. The banks also provide consumption loans although to